# कउंवा करिया काबर?

कहानीः डाईट अंबिकापुर द्वारा निर्मित
चित्रांकनः प्रिस्का कुजूर

Copyright © Language and Learning Foundation 2019
All rights reserved.

एक ठन रूख म दू
ठन चिरई रहत रिहिस।

एक दिन वो दूनों म झगरा होगे।

लड़त-लड़त दूनों झन भुईयां म गिरीन।

एक झन डोकरी ह ओही रूख के खाल्हे म घर बना के रहत रिहिस।

ओ हा रांध के, एक जघा कोईला मढ़ा दे रिहिस।
ला अउ एक जघा राख ला मढ़ा दे रिहिस।

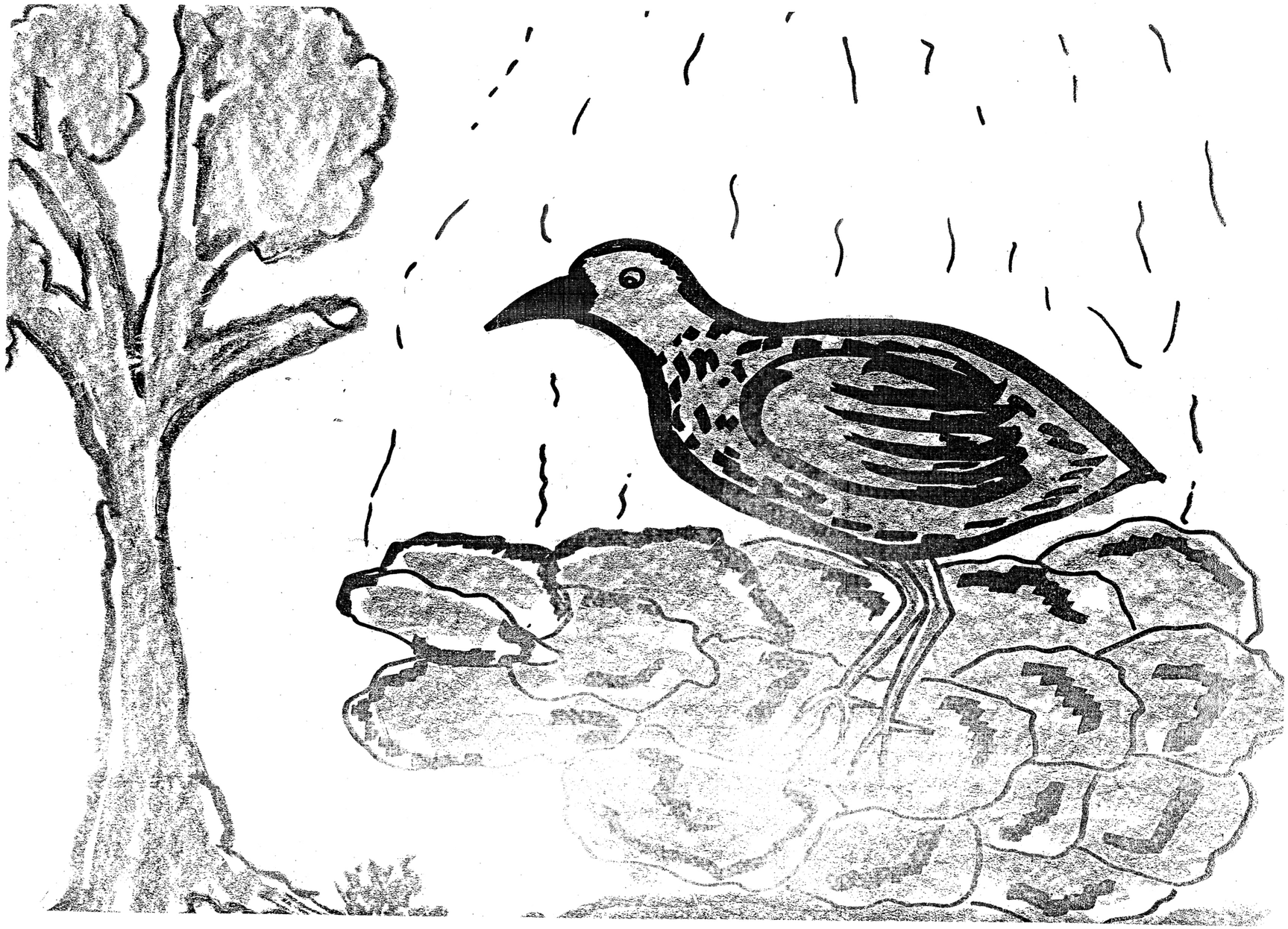

जेन चिरई ह कोईला म गिरिस, वो बनिस करिया कउंवा।

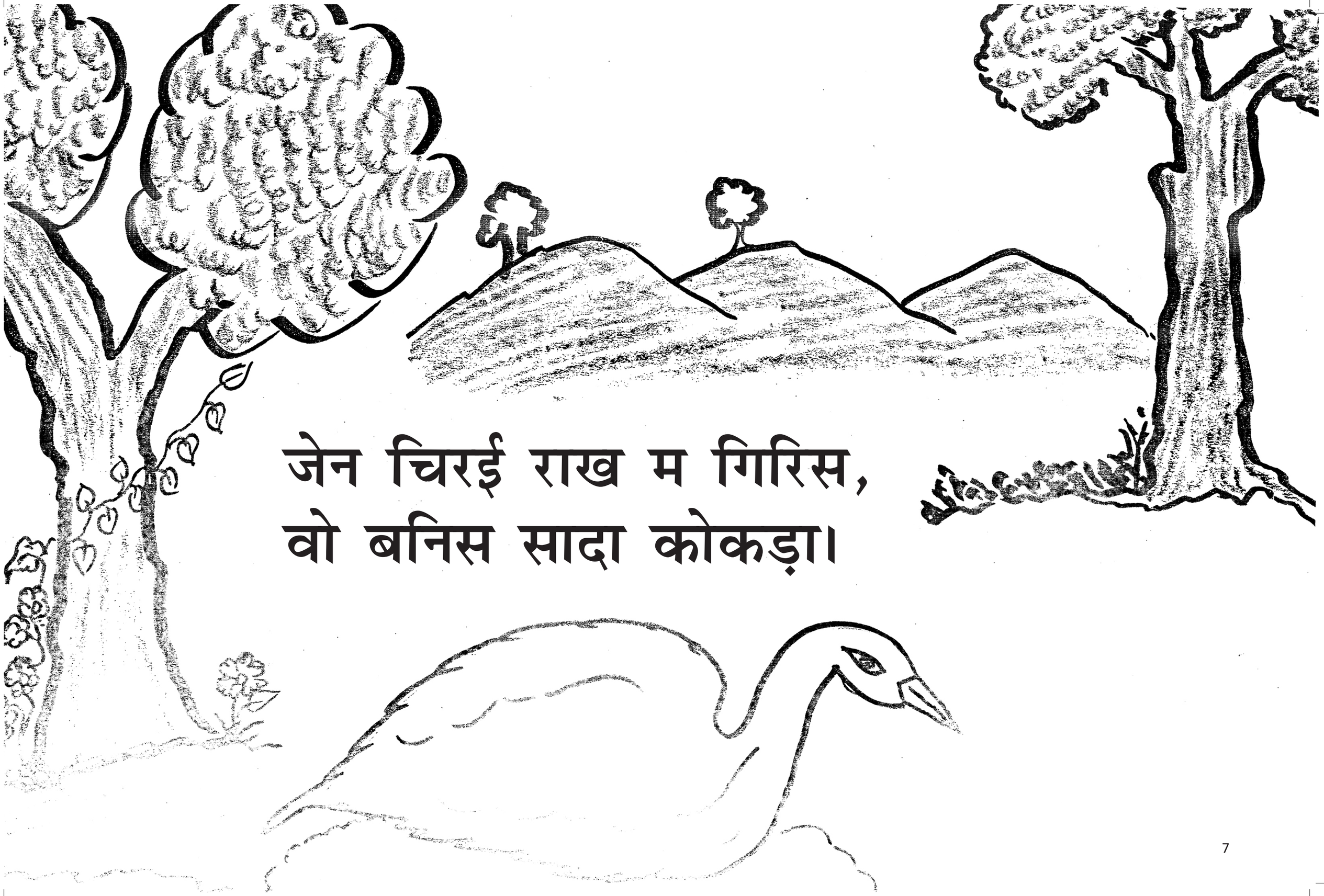

जेन चिरई राख म गिरिस,
वो बनिस सादा कोकड़ा।

## कउंवा करिया काबर?

एक ठन रूख म दू ठन चिरई रहत रिहिस। एक दिन वो दूनों म झगरा होगे। लड़त-लड़त दूनों झन भुईयां म गिरीन। एक झन डोकरी ह ओही रूख के खाल्हे म घर बना के रहत रिहिस। ओ हा रांध के, एक जघा कोईला ला मढ़ा दे रिहिस। अउ एक जघा राख ला मढ़ा दे रिहिस। जेन चिरई ह कोईला म गिरिस, वो बनिस करिया कउंवा। जेन चिरई राख म गिरिस, वो बनिस सादा कोकड़ा।

## कौआ क्यों काला?

एक पेड़ पर दो चिड़ियाँ रहती थीं। एक दिन उन्होंने आपस में झगड़ा किया। लड़ाई करते-करते दोनों नीचे गिरने लगे। एक बुढ़िया उस पेड़ के नीचे घर में रहती थी। उसने खाना बनाकर एक जगह कोयला रखा। दूसरी जगह राख रखी। जो चिड़िया कोयले में गिरी, वह बन गई काला कौआ। जो चिड़िया राख में गिरी, वो बन गयी सफ़ेद बगुला।

Designed by www.stelladesignandprint.com

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार

सब पढ़ें सब बढ़ें